हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 4 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

मारूति वैन में लगी आग, जलकर हुई खाक

मण्डला। उपनगर महाराजपुर स्थित कारीकोन तिराहे में एक मारूति वैन में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसके कारण अफरा तफरी का माहौल बन गया। बताया गया कि जब चलती वेन में बैठे लोगो ने गाड़ी से धुंआ उठता देखा और चालक कुछ समझ पाता इसके पहले की वेन के आगे के हिस्से में आग पकड़ ली। बताया गया कि वैन में अचानक लगी आग को देखकर गाड़ी में बैठे लोग और चालक वाहन को छोडकऱ दूर भागे। वहीं आसपास के लोग भी बड़ी घटना ना हो इसके लिए वाहन से दूरी बनाए रहे। वैन में आग भड़कते ही तत्काल दमकल वाहन को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही तत्काल नगरपालिका मंडला से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक वाहन पूरी तरह से जलकर खाक हो गया था। हालाकि की इस आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ है, सिर्फ मारूति वैन जलकर खाक हो गई है।

राजेंद्र प्रसाद सेठ का हुआ निधन

मण्डला। एलआईसी में कार्यरत असीम सेठ व आस्था प्रिंटर्स के संचालक आशीष सेठ के पिता राजेंद्र प्रसाद सेठ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया। राजेंद्र प्रसाद सेठ भारतीय जीवन बीमा निगम से प्रबंधक के पद से सेवानिवृत थे। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। बुधवार की दोपहर करीब 1 बजे उन्होंने सरदार भगत सिंह वार्ड स्थित अपने निज निवास में अंतिम सांस ली। दिवंगत श्री सेठ जिले के वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक खरया के मामा थे। इनकी अंतिम यात्रा आज दिनांक 4 जुलाई 2024, दिन गुरुवार की सुबह 10 बजे निज निवास से खैरी मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

जामुन ऐसी औषधि जिससे पेट की विकृति दूर होती

20 प्रकार की मिलती जिले में जामुन

*** मिलता ग्रामीणों को रोजगार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जामुन का फल बाजार में जून माह से शुरू होकर जुलाई के एक पखवाड़े तक बाजारों में खूब बिकता है। चारों तरफ बैगनी रंग ही नजर आता है। जामुन की पैदावार जुलाई के प्रथम पखवाड़े के बाद बंद हो जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि जिले में होने वाली जामुन जिले के बाजारों समेत मुख्य मार्गों में रख कर विक्रय किया जाता है। वहीं जिले के जामुन की मिठास अन्य जिले और प्रदेशों को भी खूब भाती है। जिसके कारण जिले का जामुन अन्य जिलों में भी जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि जब ज्यादा जामुन पकती है तो 60 से 70 रूपए कैरिट जामुन बेंचते हैं। जामुन को भेजने के लिए बस व अन्य वाहनों की मदद से दूसरे जिले के व्यापारी को जामुन पहुंचाया जाता है। जामुन तोड़कर बेचने वाले इस सीजन में प्रतिदिन करीब 300 रूपए से अधिक की आमदनी प्रतिदिन कर लेते है। वर्तमान में बाजार और हाईवे मार्ग किनारें 50 से 60 रूपए किलो जामुन बिक रहा है।

बताया गया कि जिले से जाने वाली जामुन राजस्व क्षेत्रों की है, जबकि जंगलों में इसके हजारों वृक्ष फूलते-फलते हैं लेकिन इनके फलों का उपयोग नहीं होने पर ये वहीं गिरकर सड़कर समाप्त हो जाते हैं। अगर वन विभाग चाहे तो जंगल के भीतर लगे जामुन के वृक्षों का ठेका देकर राजस्व बढ़ा सकते हैं वहीं जामुन से औषधी बनाकर इस व्यापार के जुड़े व्यक्ति अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके साथ ही जामुन तोडऩे से ग्रामीणों को रोजगार मिलेगा।

जंगल के जामुन की मिठास लाजाबव

ग्रामीणों ने बताया कि जंगल में मिलने वाली जामुन का आकार छोटा होता है, लेकिन इसकी मिठास का कोई जबाव नहीं है। देश में जामुन की 40 प्रकार की प्रजातियां बताई गई। जिसमें 20 प्रकार की जामुन जिले के जंगलों और खेतों में मिल जाती हैं। जामुन स्वाद का मीठा एवं कसैला होता है। वहीं यह अपनी औषधीय गुणों के कारण लोकप्रिय है। हालांकि इसकी फसल बारिश के प्रथम पखवाड़े के बाद समाप्त हो जाती है। जिले के घुघरी, चाबी, बिछिया, मोहगांव समेत अन्य क्षेत्र से जामुन प्रदेश के सिवनी, बालाघाट, जबलपुर, नागपुर समेत अन्य प्रदेश जामुन पहुंचाया जाता है। बड़े आकार की जामुन जब मंडी में पहुंचती है तो वहां के दलाल सबसे पहले इसे खरीदते हैं।

इन क्षेत्रों में मिलती है ज्यादा जामुन

जिले के जामुन का स्वाद लाजबाव है। जिले में जामुन की फसल खाल्हेगिठौरी, झुरकी पौड़ी, सहजर बनिया, घुटास, मवई, बिछिया, घुघरी, मोहगांव, चाबी समेत अन्य क्षेत्रों में खूब होती है। बताया गया कि इन क्षेत्रों में इतनी अधिक मात्रा में वृक्ष हैं कि सभी वृक्षों से जामुन नहीं टूट पाती है। अगर ग्रामीण आगे आएं और जामुन तोड़ें तो उन्हें अच्छी कमाई का जरिया बन सकती है। डिंडौरी जिले के अमरपुर, और मेहंदवानी क्षेत्र में खूब जामुन होती है लेकिन इसके फलों को तोडऩे के लिए कोई सामने नहीं आता। जिसके चलते इसके फल और बीज नष्ट हो जाते हैं।

जामुन से मिल जाती है आर्थिक मदद

जिले में बारिश के करीब एक पखवाड़े तक जामुन की फसल आती है। इसके बाद धीरे-धीरे जुलाई के अंत तक जामुन की फसल खत्म हो जाती है। वहीं जामुन से एक व्यक्ति करीब तीन सौ रूपए तक रोज कमा लेता है। बता दे कि मंडला में जामुन तोडऩे का काम पुरूषों की बजाय महिलाएं करती है। खरीददारों का मानना है कि महिलाएं जामुन को संभालकर तोड़ती है। जिसे विक्रय करने के लिए इन जामुन को कैरेट में भरकर जिले समेत अन्य जिलों और प्रदेश में पहुंचाया जाता है। जिले से शाम के वक्त जामुन को विक्रय करने के लिए रवाना किया जाता है, जो सुबह-सुबह बाहर की मंडियों में पहुंच जाता है। इस व्यापार से जुड़े व्यक्तियों को भी अच्छा खासा मुनाफा होता है दलालों को भी दलाली मिलती है। भाड़ा गाड़ी वाले को भी अच्छा खासा मिल जाता है इससे जुड़े हर व्यक्ति को लाभ होता है।

छोटी जामुन की नहीं है मांग

जंगल में छोटी जामुन भी होती है जो मिठास के लिए पहचानी जाती है लेकिन बड़े शहरों के बाजार में बड़े जामुन की मांग बनी रहती है। जामुन के व्यवसाय से जुड़े व्यापारी ने बताया कि इन्होंने छोटी जामुन पिछले वर्ष खरीद ली थी फिर नागपुर की मंडी में इन्हें घाटे में माल बेचना पड़ा था।

रोटरी व इनरव्हील क्लब मण्डला के नवीन सत्र के अध्यक्ष सचिव नियुक्त

*** प्रथम दिवस मनाया डॉक्टर्स डे व सीए डे।**

रिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जुलाई माह से प्रारम्भ रोटरी और इनर व्हील क्लब के नवीन सत्र के लिए रोटे गीता कल्पिवार को अध्यक्ष, डॉक्टर सुनील यादव को सचिव व रोटे सुरेश चौधरी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं इनरव्हील क्लब मण्डला के लिए मोना जैन को अध्यक्ष व श्रद्धा तपा को सचिव सचिव पद का दायित्व सौपा गया है। रोटरी क्लब मण्डला मेकल एवम इनरव्हील क्लब के नवनियुक्त पदाधिकारियों को सभी रोटेरियन्स ने पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाये दी। इस अवसर पर गीता कल्पिवार व डॉक्टर सुनील यादव ने रोटरी क्लब की इस वर्ष की थीम मैजिक ऑफ रोटरी के अनुरूप कार्य करने का संकल्प लिया। नवीन सत्र के पदग्रहण उपरांत प्रथम दिवस रोटरी व इनव्हील क्लब के संयुक्त तत्वधान में डॉक्टर्स डे व सीए डे मनाया गया। यह आयोजन डॉक्टर शैलेंद्र गुप्ता के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रोटेरियन एवं इनर व्हील मेंबर्स के द्वारा डॉक्टर सुनील यादव, डॉक्टर लिली, डॉ रुबीना, डॉक्टर सालोमन, डॉक्टर नृपिका पथारिया एवं सीए मुकेश जैन का पुष्प एवं उपहार प्रदान कर अभिनंदन किया। डॉक्टर शैलेंद्र गुप्ता ने इस अवसर पर डॉक्टर के नैतिक दायित्व एवं डॉक्टर के प्रति आमजन के व्यवहार पर प्रकाश डाला। सीए मुकेश जैन ने चार्टर्ड अकाउंटेंट से क्लाइंट्स की क्या अपेक्षाएं होती हैं, इस विषय में प्रकाश डालते हुए चार्टर अकाउंटेंट बनने के लिए युवाओं को प्रेरित करने हेतु कहा। नए सत्र के सेक्रेटरी रोटरी क्लब डॉक्टर सुनील यादव ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में रोटरी और इनर व्हील के माध्यम से आगामी संभावित कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान की। डॉ. संजय तिवारी ने कहा कि रोटरी क्लब पीड़ित मानवता की सेवा में निरंतर क्रियाशील है एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में हम लोगों को ऐसे संसाधन उपलब्ध कराने जा रहे हैं जो घर में रहते हुए मरीज को की आवश्यकता होती है। रोटरी क्लब अध्यक्ष गीता कालिपवार ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा समाज में दिए जा रहे योगदान को याद किया। इनर व्हील अध्यक्ष मोना जैन एवं सेक्रेटरी श्रद्धा तपा ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखें। सभी डॉक्टर और सी ए के प्रति आभार रोटेरियन आरती तिवारी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन करते हुए अखिलेश उपाध्याय ने डॉक्टर्स डे एवं सीए डे के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

6 स्कूल बस, 7 यात्री बस पर चालानी कार्यवाही

*** एक बस बिना परमिट जप्त, 34 हजार रूपए की चालानी कार्यवाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सुप्रीम कोर्ट की गाईड लाइन अनुसार स्कूली बसों में बसों के रंग, फरुट एण्ड बाक्स, अग्निशामक यंत्र, एसएलडी, व्हीएलटीडी, सीसीटीव्ही कैमरा, जीपीएस आदि उपकरणों की जांच की गई। स्कूली बसों में फिटनेस, बीमा, परमिट, ड्रायविंग लायसेंस आदि दस्तावेजों की जांच की गई। वाहनों की जांच के दौरान स्कूल बसों में कमी पाये जाने पर 06 स्कूल बसों पर तीन हजार रूपए की चालानी कार्यवाही की गई एवं स्कूल प्रबंधन को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्देशित मापदण्डों का पालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया।

जानकारी अनुसार परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश ग्वालियर एवं कलेक्टर के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रमा दुबे द्वारा मंडला में स्कूल बसों की चैकिंग की गई। मंडला नैनपुर मार्ग पर यात्री बसों का चैकिंग अभियान चलाकर बसों में किराया सूची, दिव्यांगों को किराया में छूट संबंधी स्टीकर चस्पा किये गये एवं वाहन चालक एवं परिचालकों को निर्देशित किया गया कि यात्रियों का किराया, किराया सूची के अनुसार ही लें, अधिक किराया लेने या अन्य शिकायतें प्राप्त हान पर नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए सचेत किया गया।

बताया गया कि चैकिंग के दौरान 21 वाहनों की जांच की गई। जिसमें वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, लायसेंस, मोटरयान कर एवं ओव्हर लोडिंग आदि की जांच की गई। नियम विरुद्ध पाये जाने पर 07 यात्री बसों पर 31 हजार रूपये की चालानी कार्यवाही की गई।

चैंकिग के दौरान एक बस बिना परमिट संचालित पाई गई। जिसे जप्त कर परिवहन कार्यालय मंडला में सुरक्षार्थ रखा गया है। चैकिंग अभियान में जिला परिवहन कार्यालय मंडला का स्टाफ उपस्थित रहा। चैकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा ।

अपूर्ण कार्य बारिश में रहेंगे जस के तस

*** गंदे पानी से लोगों को करना पड़ेगी आवाजाही।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

रैनी सीजन शुरू हो गया है, कहीं नाली जाम, कहीं सीवर लाईन की समस्या, तो कहीं नालियों का पानी घरों, दुकानों में प्रवेश कर रहा है। यह समस्या मंडला मुख्यालय के नगरपालिका क्षेत्र में व्याप्त है। जिसके कारण यहां के वंशिदे काफी परेशान है। इन सभी समस्याओं से नगरपालिका मंडला को अवगत भी कराया जा चुका है, बावजूद इसके इस समस्या का निराकरण नहीं हो पा रहा है। जिसके कारण लोगों को बेहद परेशानी उठानी पड़ रही है।

जानकारी अनुसार जिला मुख्यालय में सीवर लाईन और सड़क निर्माण कार्य कई क्षेत्रों की नालियां और पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई है। बताया गया कि उपनगर महाराजपुर दादा धनीराम वार्ड में लीड सोसायटी के सामने मार्ग निर्माण के समय यहां नाली क्षतिग्रस्त हो गई थी,जो विगत कई माह से इसका निर्माण कार्य आज दिनांक तक नहीं कराया गया है। क्षतिग्रस्त नाली के कारण आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां स्थान में बनी दुकानों में लोग आने में कतराते है।

बताया गया कि दुकानों के सामने मिट्टी पड़ी हुई है और गड्ढा भी है। जिससे हादसे का भी अंदेशा बना रहता है। अब बारिश का सीजन भी शुरू हो गया है। बारिश के पहले जो कार्य पूर्ण हो जाना था, वह आज दिनांक तक अपूर्ण है। लगातार बारिश होने से नालियों का पानी सड़कों में फैल रहा है। जिससे आवागमन करने में लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। इस समस्या के निदान के लिए कई बार दुकानदारों ने नगरपालिका को आवेदन दिया है, लेकिन आज दिनांक तक इस समस्या की तरफ नपा का ध्यान नहीं है। जिसके कारण यहां के स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है।

दुर्घटना | **अहमदपुर चौराहे का क्षेत्र बना एक्सीडेंटल जोन, आये दिन हो रही दुर्घटनायें।**

अनियंत्रित होकर पलटा बेलगाम ट्रक

*** हाईवे किनारे खड़े हो रहे भारी वाहन।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

जबलपुर से छत्तीसगढ़ को जोडऩे वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में कई स्थान एक्सीडेंटल जोन बनते जा रहे है। इन क्षेत्रों में आए दिन सड़क दुर्घटनाएं घटित हो रही है। जिसमें लोग असमय ही अपनी जान तक गवां रहे है। बताया गया कि अंजनिया के अहमदपुर चौराहे के पास का क्षेत्र एक्सीडेंटल जोन बन गया है। यहां आए दिन सड़क हादसे हो रहे है। मंगलवार को एक बार फिर अहमदपुर चौराहे के पास हादसा हुआ।

इस हादसे में रायपुर से जबलपुर की ओर जा रहा 12 चक्का ट्रक अनियंत्रित होकर नहर के पास बनी पुलियां को तोड़ते हुए पलट गया। घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। हादसे में ट्रक चालक फंस गया। बमुश्किल से ट्रक चालक बाहर निकल सका। ट्रक चालक को हादसे में गंभीर चोट नहीं आई है। हादसे में चालक को मामूली चोटें आई है, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही चालक मौके से फरार हो गया।

हाईवे के ढाबों में खड़े हो रहे भारी वाहन

बताया गया कि नेशनल हाईवे 30 में अनेकों स्थानों पर ढाबों का संचालन किया जा रहा है, लेकिन इन ढाबा संचालकों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। ढाबों पर रूकने वाले वाहन हाईवे किनारे मार्ग में ही खड़ा कर रहे है। जिससे हादसे का अंदेशा यहां हमेशा बना रहता है। मार्ग में वाहन खड़े होने के कारण हादसे हो रहे है। बताया गया कि अंजनिया अहमदपुर चौराहे के पास नजदीक भी ढाबा संचालित है। यहां ट्रक समेत अन्य भारी वाहन चालक यहां भोजन करने के लिए रूकते है। ये वाहन चालक अपने वाहनों को हाईवे मार्ग में ही खड़ा कर रहे है। जिसके कारण इस क्षेत्र में हादसे हो रहे है। ये लापरवाही स्थानीय प्रशासन को भी ज्ञात होने के बावजूद अनजान बना हुआ है। लोगों का कहना है कि इस अहमदपुर चौराहे एक्सीडेंटल जोन बन गया है। दुर्घटना संभावित क्षेत्र होने के चलते इस ओर प्रशासन को ठोस कदम उठाना चाहिए।

ओवर ब्रिज की मांग

बताया गया कि विगत वर्ष मंडला आए सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा खुले मंच से अहमदपुर चौराहे में ब्रिज बनाए जाने की बात कही थी, लेकिन वह अब तक अधूरा है, फिलहाल हादसे का ग्राफ बढ़ते ही जा रहा है। जिसको देखते हुए यहां ओवर ब्रिज की मांग स्थानीय लोगों द्वारा लगातार की जा रही है। विभाग द्वारा दुर्घटना संभावित क्षेत्र होने के चलते कोई भी साइन बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। जबकि इस क्षेत्र में अब आए दिन हादसे हो रहे है।

शराब पीने के लिए पैसे मांगने वाला आरोपी गिरफ्तार

*** पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

जिले में अवैध कार्य पर संलिप्त रहने वालों पर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश मंडला पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए हैं। इसी के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा, और अनुविभागीय अधिकारी नैनपुर श्रीमती नेहा पच्चीसिया के निर्देशन में थाना बम्हनी के चौकी अंजनिया पुलिस के द्वारा एक कार्यवाही की गई है। जिसमें एक दो भाई के बीच आपसी विवाद के चलते एक भाई ने दूसरे भाई की घर के आंगन में खड़ी बुलेट जला दी। जिसकी शिकायत अंजनिया चौकी में दर्ज कराई गई। मामला पंजीबद्ध कर पुलिस विवेचना कर रही है।

जानकारी अनुसार विगत दिवस 30 जून को अंजनिया निवासी फरियादी आसिफ खान ने पुलिस चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके छोटे भाई जावेद खान उर्फ आशु पिता रज्जाक खान निवासी ग्राम अंजनिया का मोबाइल फोन पर विवाद हुआ था। इसी रंजिश को लेकर प्रार्थी के घर के आँगन में खड़ी बुलेट वाहन में आरोपी जावेद ने आग लगाकर जला दिया गया। अंजनिया पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 355 /2024 धारा 435 ताहि पंजीबद्ध किया।पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से लेकर इसकी विवेचना शुरू की।

दर्ज रिपोर्ट में बताया गया कि आरोपी जावेद खान द्वारा प्रकरण के गवाह को मेरे खिलाफ में आसिफ का साथ देकर पुलिस को गवाही दे रहा है यह कहकर गंदी-गंदी गालियां देते हुए शराब पीने के लिए पैसे की मांग करने लगा। आरोपी ने कहां कि शराब के पैसे दे नहीं तो तुझे जान से खत्म करने की धमकी देते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने लगा। जिसकी रिपोर्ट प्रार्थी ने अंजनिया पुलिस को की। रिपोर्ट पर आरोपी जावेद खान के विरुद्ध अपराध क्रमांक , 357 /2024 धारा 294, 323, 327,506 ताहि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जांच के दौरान आरोपी जावेद खान को पुलिस ने घेराबंदी कर 1 जुलाई को गिरफ्तार कर 2 जुलाई को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। आरोपी को पकडऩे बम्हनी थाना प्रभारी के निर्देशन में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक लाखन सिंह राजपूत व उनकी टीम की विशेष भूमिका रही।

खबर संक्षेप

थाने में प्रभारी द्वारा रोपा गया पौधा

गाडरवारा। पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रदेश शासन द्वारा जिस तरह पौधा रोपण करने के लिये एक अनोखा का अभियान छेड़ते हुये उसे माँ क नाम एक पेड का नाम दया गया है। इसी के चलते बीते हुये दिवस जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में ''एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत स्थानीय पुलिस थाने में थाना प्रभारी उमेश तिवारी सहित उनके अधिनष्थ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा पौधा रोपण किया गया। बताया जाता है कि हरित क्षेत्र में वृद्धि कर पर्यावरण को स्वच्छ और प्रकृति को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से वृक्षारोपण के लिए जन-सामान्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शासन द्वारा ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान चलाया जा रहा है । इसी के परिपालन में जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा सभी लोगों से ''एक पेड़ माँ के नाम'' के तहत अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के लिये जागरूक करते हुये पौधा रोपण के माध्यम से प्रकृति को हरियाली की चुनरी पहनाने के लिये प्रेरित करते हुये जताई जा रही अपेक्षा के चलते नगर के पुलिस थाने में थाना प्रभारी उमेश तिवारी सहित उनके स्टाफ द्वारा थाना प्राागंण में नीम, जामुन, अमरूद सहित अन्य प्रकार के के पौधों का रोपण किया गया।

बिजली की अघोषित कटौती लोग परेशान

खुलरी। जहां एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली कटौती न करने के लिये लगातार बिजली विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिये जा रहे है। मगर इसके बाद भी बिजली विभाग के अधिकारियों की मनमानी के चलते लोगों के अघोषित बिजली कटौती का सामना करने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस समय चल रहे बारिश के मौसम में हो रही बिजली कटौती के चलते जहां लोग उमस भरी गर्मी से परेशान होने के साथ साथ निकल रहे जहरीले कीडों का शिकार होने से नही बच पा रहे है? इस प्रकार से खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों में हो रही बिजली की अघोषित कटौती के चलते लोगों का बिजली विभाग के अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश बढ़ते हुये दिखाई देने लगा है? क्योंकि रात के समय होने वाली इस बिजली कटौती के संबंध में जब अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनके द्वारा अपना फोन उठाना भी उचित नही समझा जाता है, इस बात की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब खुलरी स्थित पावर हाऊस तक तो बिजली सप्लाई चल रही थी, मगर खुलरी सहित क्षेत्र के अनेक गांवों की अचानक बिजली बंद रहने के कारण सारी रात लोगों को अंधेरे में अपनी रात काटने के लिये मजबूर होना पड़ा, इस प्रकार से बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा अपनाई जा रही तानाशाही पूर्ण कार्य प्रणाली के चलते प्रदेश सरकार द्वारा लोगों को बिजली उपलब्ध कराने में असफल रहने वाली 15 वर्ष पहले की छबि को याद दिलाने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है?

पुराना कालेज भवन बना शराबियों का अड्डा

गाडरवारा। जिस शहर में कभी मुश्किल से महुआ की शराब मिलती थी, अब बदले दौर में उसमें भरपूर हर ब्रांड की शराब मदिरा प्रेमियो को उपलब्ध हो रही है, किन्तु नगर में वीयरवार या अहाते न होने की स्थिति में रात में मदिरा प्रेमी युवा पानी पाऊच, डिस्पोजल, नमकीन के पैकिटो से लैस होकर शराब पीने के ठिकाने तलाशते नजर आते है, जिसका नतीजा है कि नगर के वीरान ईलाके तक खुली मधुशालाओं में तब्दील होते जा रहे है। गौरतलब है कि इन दिनों शिक्षा मंदिर कहे जाने वाले पुराने कालेज भवन के कमरो, खेल मैदान, उसके पास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए बने हुए मंच पर शराब पीने का अत्याधिक शोक रखने वाले युवाओं की भीड़ जुटने लगती है और जैसे तैसे रात गहराती है समूचा पुराना कालेज ग्राउंड परिसर विविध ब्रांडो की शराब की गंध से सराबोर हो जाता है।

मूंग खरीदी न होने से कर्जदार बन रहे अन्नदाता

किसान, खेती बाड़ी के कार्यों सहित अन्य जरूरतें पूरी करने के लिये मजबूर

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

हर किसान द्वारा जिस प्रकार से अपनी फसल में अनेक प्रकार की लागत लगाते हुये उसे तैयार कर लेता है तो उसे इस बात की तत्परता रहती है कि वह अपनी फसल को शीघ्रता के साथ विक्रय करते हुये उसमें लोगों से कर्ज लेकर लगाई हुई लागत को चुकाते हुये कर्ज से मुक्त हो जावे। क्योंकि किसानों को अपनी फसले तैयार करने के लिये काफी लागत लगानी पड़ती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के मूंग उत्पादक किसानों की देखी जा रही है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों की मूंग तैयार होकर अपने घरों में रखी हुई है। मगर शासन द्वारा निर्धारित किये गये मूंग खरीदी केन्द्रों का शुभारंभ नही किया गया है जिसके चलते जहां क्षेत्र के किसान अपने घरों में रखी हुई मूंग की सुरक्षा को लेकर परेशान होते हुये देखे जा रहे है या फिर ओने पोने दामों में बेचने के लिये मजबूर हो रहे है। क्योंकि क्षेत्र के किसानों ने अपनी मूंग फसल को तैयार करने तथा कीटों से बचाव को लेकर जहां कर्ज लेकर महंगी महंगी कीटनाशक दबाईयाँ खरीदी गई थी। मगर मूंग का समय पर विक्रय नही होने के चलते उन्हें दुकानदारों से लेकर साहूकार लगातार परेशान करते हुये देखे जा रहे है और मनमाना ब्याज जड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहे है? वही दूसरी ओर अब नई फसल लगाने के लिये भी अन्नदाता के सामने लागत लगाने के लिये पैसा नही है। क्योंकि यह सीजन बोनी के लिये प्रमुख माना जाता है जिसमें धान की रोपाई से लेकर सोयाबीन या फिर अन्य फसलों की बोनी होती है। इसी के चलते अपने खेतों में अन्य फसलों की बुबाई के लिये भी लगातार साहूकारों से ब्याज पर कर्ज लेने के लिये मजबूर होते हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई के चलते यदि देखा जावे तो किसानों द्वारा रात दिन एक करते हुये पैदा की गई फसल की खरीद के लिये शासन प्रशासन द्वारा बरती जा रही देरी के चलते जहां मजबूर किसान यदि अपनी मूंग फसल को किसी व्यापारी के यहां बेचने का प्रयास करते है तो वह उसे ओने पोने दामों में खरीदकर किसानों की मजबूरी का फायदा उठाने से नही चूक रहा है। इस स्थिति के चलते अब किसान अपनी अन्य फसलों की तैयारियों को लेकर घर बैठे हुये लगातार कर्जदार बनने से नही चूक रहा है। वही दूसरी ओर पहले धान फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत को लिये गये कर्ज को समय से नही पटाने के कारण उसके ब्याज में भी बढ़ोत्तरी होते हुये देखी जा रही है? इस सच्चाई के चलते क्षेत्र के किसानों का कहना है कि भले ही उनकी फसल तैयार होकर घर में रखी हुई है। मगर यदि वह अपनी तैयार होकर रखी हुई मूंग फसल को बाजार में व्यापारियों के पास बेचता है तो वह ओने पोने दामों पर मांग रहे है जिसके चलते जहां धान फसल को तैयार करने में किसानों द्वारा लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। इस स्थिति में यदि देखा जावे तो इस समय बड़ी परेशानियों में फंस चुका है। क्योंकि जहां किसानों को अपने खेतों में बोनी करने सहित खाद बीज खरीदने के लिये पैसों की जरूरत पड़ रही है। वही दूसरी किसान अपने खेतों में नई फसल लगाने से लेकर बारिश के दिनों में बच्चों का पेट भरने के लिये अनाज सहित जरूरी समान खरीदने के लिये परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस तरह देखा जावे तो जिस तरह क्षेत्र के किसानों ने तपती हुई तेज धूप के बीच अपने खेतों में रात दिन एक करते हुये तैयार की गई मूंग फसल को लेकर जो सपना सजोया गया था वह धूमिल होने से नही चूक पा रहा है। क्योंकि पहले शासन द्वारा मूंग खरीदी केन्द्रो का शुभारंभ नही किये जाने के कारण किसान परेशान होते हुये देखे जा रहे है। क्षेत्र के किसानों की उम्मीद थी कि वह समय पर मूंग फसल का विक्रय करते हुये जहां लोगों से फसल तैयार करने के लिये उठाया गया कर्ज अदा कर देगे और बसकारे के सभी प्रबंध कर लेगे। मगर शासन द्वारा मूंग खरीदी का कार्य शुरू नही किये जाने के कारण खरीदी केन्द्रो पर ताले लटक रहे है। वही दूसरी ओर किसान अपने घरों में बैठे हुये कर्जदार करने के साथ साथ नई फसल की बोनी करने को लेकर परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस प्रकार से किसानों के घरों में तैयार हो रखी हुई गर्मी में पैदा होने वाली मंग की शासन द्वारा अभी तक खरीद शुरू नही किये जाने की सच्चाई को लेकर जब क्षेत्र के किसानों से चर्चा की गई तो ग्राम बसुरिया निवासी राजेन्द्र परिहार का कहना है कि निश्चित ही किसान जब अपने खेतों में कोई फसल तैयार करता है तो उसका विक्रय करते हुये अपनी अनेक जरूरत पूर्ण करने की सोच रखता है। यदि समय पर उस फसल का विक्रय न हो पावे तो किसान परेशानियों से घिरने से नही चूकता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय क्षेत्र के किसानों की भी देखने मिल रही है जिसके चलते उनके घरों में गर्मी की मूंग फसल तैयार होकर तो रखी हुई मगर विक्रय नही होने के कारण वह अपनी जरूरतों के लिये साहूकारों से कर्ज लेने के लिये मजबूर होते हुये देखा जा रहा है। वही ग्राम सहावन निवासी कृषक भगवानदास साहू का कहना है कि लगता है कि किसानों का अब भगवान ही मालिक है। क्योंकि इस समय भले ही किसानों द्वारा की गई मेहनत से मूंग की पैदावार संतोष जनक हो गई है। मगर जब किसानों को पैसों की जरूरत है उस समय उसकी शासन द्वारा विक्री शुरू नही किये जाने के कारण किसान अपनी मूंग को घरों में रखे हुये उसे निहार रहा है और आने वाली नई फसलों की बुआई करने के लिये जब किसानों के पास पैसा ही नही रहेगा तो उसे मजबूरी बस किसानों को अपनी जरूरते पूर्ण करने के लिये ब्याज से पैसा लेना पड़ेगे और इस वर्ष अच्छी फसल आने से किसानों के अच्छे दिन आने का जो सपना था वह ब्याज में ही चला जावेगा। इस प्रकार से सालीचौका निवासी गोलू गुप्ता का कहना है कि जिस प्रकार से किसान मुश्किलों के बीच घिरा हुआ है वह खत्म होने का नाम नही ले रही है क्योंकि किसान बीते हुये कुछ वर्षो से प्रकृति की मार झेल रहे थें। मगर किसानों को भले ही इस वर्ष प्रकृति ने साथ देते हुये मूंग फसल ने चेहरों पर मुस्कान ला दी गई थी। मगर शासन की नीति के चलते समय पर मूंग खरीदी का शुभारंभ नही होने से फिर किसान को परेशान होते हुये कर्जदार बनने के लिये मजबूर कर दिया गया है और बरसात की व्यवस्था बनाने से लेकर नई फसल बोने के लिये कर्ज उठाना पड़ रहा है। इसी प्रकार से ग्राम भटरा निवासी भरत पटैल का कहना है इस समय क्षेत्र के किसानों की मूंग फसल तैयार होकर अपने घरों में रखी हुई है। मगर शासन द्वारा खरीदी का शुभारंभ नही किये जाने के कारण किसानों को अपनी खून पसीने से तैयार की गई मूंग को बाजार में ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर होना पड़ा है। इस स्थिति में किसानों द्वारा मूंग को तैयार करने में लगाई गई लागत भी खड़ी नही हो पा रही है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा किसानों का हम दर्द बनते हुये मूंग फसल खरीदने की भरोसा तो दिला दिया गया है। मगर खरीदी में की जा रही देरी से यह जान पड़ने से नही चूक रहा है कि शायद सरकार व्यापारियों को फायदा पहुंचाने की सोच के चलते देरी की जा रही है। क्योंकि सरकार में बैठे हुये लोग यह अच्छे से जानते है कि किसान अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिये बाजार में बेच देगा और चंद किसानों की मूंग शासन द्वारा खरीदी करने की औपचारिकता निभाई जावेगी।

जर्जर हो चुकी सहकारी दुकान में रखा गरीबों का अनाज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। ईश्वर की मेहरवानी से शहर की सहकारी दुकानों से शहर के नीले व पीले राशन कार्ड धारियों को हर माह सस्ता गेंहू, चांवल, कैरोसिन, नमक के वितरण के संबंध में भले ही कोई शिकायत सुनने में नही आती है किन्तु नगर के कुछ वार्डो में जो सहकारी दुकानों खुली हुई है उनकी दुर्दशा को लेकर हवा में लगातार यह सबाल उछलते रहे है कि इस प्रकार खस्ता हाल दुकानों में क्या गरीबो का अनाज सुरक्षित रह पायेगा? बताया जाता है कि नगर के पुराने शासकीय चिकित्सालय के पास जो सहकारी दुकान संचालित हो रही है जो इस समय नपा के स्वामित्व में है और पहले वह नर्सेस क्वाटर हुआ करती थी। मगर बाद में उसकी सुध न लेने के बाद वह सहकारी राशन दुकान खोलने के लिए मार्केटिंग सोसाईटी को दे दी गई है, जिसके चलते वर्तमान में उक्त सहकारी राशन दुकान की स्थिति इस प्रकार से जर्जर हो चुकी है कि उसके अंदर जब कोई गरीब अनाज लेने के लिए पहुंचता है तो उसे अपनी जान के खतरा को लेकर चिंता में देखा जाता है। क्योंकि इस दुकान के अंदर की दीवारे, दरबाजे टूट रहे है, वही हालत यह हे कि इस दुकान का मेन गेट पूर्णरूप से असुरक्षित हो गया है, जिसके एक कोने में बड़ा टायर लगाकर उसमें रखे हुए गरीबों के अनाज की सुरक्षा की जा रही है, इस स्थिति में देखा जा रहा है कि जहां गरीबों का अनाज तो पूर्णरूप से असुरक्षित दिखाई दे ही रहा है साथ ही साथ इस दुकान के अंदर अनाज लेने के लिए पहुंचने वाले गरीबों व दुकान का संचालन करने वालों की जान भी पूर्ण रूप से खतरे में दिखाई दे रही है, यदि समय रहते हुए ध्यान नही दिया गया तो निश्चित ही किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

नगर के पुलिस थाने में नये कानून के तहत प्रथम एफआईआर काटते हुये प्रार्थी को सम्मान के साथ की गई प्रदान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जिस तरह बीते हुये 1 जुलाई से कानूनों में बदलाव होने के बाद नये कानून के तहत कानूनी प्रक्रिया को आगे संचालित करने में जहां अधिकारियों को कुछ अटपटा सा महसूस होने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर आमजन के लिये भी इस कानून के तहत होने वाली कार्यवाही को लेकर उत्सुकता देने मिल रही है। इसी के तहत बीते हुये दिवस नगर के गाडरवारा पुलिस थाने में नये कानून के तहत काटी गई पहली प्राथमिकी रिर्पोट नगर निरीक्षक उमेश तिवारी सहित अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रार्थी पक्ष को सम्मान के साथ प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि देश के कानून में बदलाव किए हैं जिसके चलते 1 जुलाई को तीन नए कानून गृह मंत्रालय लागू कर दिया गया है। भारत सरकार द्वारा जो नए कानून जारी किये जा रहे है। वह भारतीय न्याय संहिता,भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम हैं, जो कि औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड संहिता,आपराधिक प्रक्रिया संहिता और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे । इन नए कानूनों का उद्देश्य देश के नागरिकों को त्वरित न्याय देना है । साथ ही न्यायिक और अदालत प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना है । इस तरह बीते हुये 1 जुलाई 2024 से लागू हुए तीन नए कानूनों के प्रति जागरूकता हेतु अलग अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। वही देश में लागू हुए तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS),भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) के प्रति जागरूकता हेतु पुलिस अधीक्षक अमित कुमार एवं अतिरिक्त जिला पुलिस नागेन्द्र पटेरिया के द्वारा समस्त अनुविभागीय अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अनुभाग एवं थाना स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने निर्देशित किया गया । इसी तारतम्य में गाडरवारा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व थाना प्रभारी उमेश तिवारी के द्वारा गाडरवारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में बैठकों एवं आमजनों से संवाद के माध्यम से नागरिकों को शासन द्वारा लागू किये गये नये कानूनों से अवगत कराया जा रहा है । इस संबंध में अधिकारियों द्वारा लोगों को जानकारी देते हुये बताया जा रहा है कि बदलते आपराधिक स्वरूप को देखते हुए नवीन परिभाषाओं एवं विवेचना में तकनीक का प्रयोग है और नए कानून का उद्देश्य आमजनों को त्वरित न्याय देना है। इस तरह लागू हुये नये कानून के चलते जीरो पर एफ.आई.आर. देश के किसी भी थाने पर दर्ज कराई जा सकेगी। वही अब ऑनलाइन भी लोग अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। वही अनुसंधान प्रक्रिया एवं साक्ष्य अभिलेखन में डिजिटल प्रणाली के प्रयोग को अपनाया गया है । जैसे - जप्ती की कार्यवाही की ऑडियो-वीडियोग्राफी करते हुये कार्यवाही करना। तथा पीड़ित पक्ष को विवेचना की प्रगति से अवगत कराया जाना । इस तरह नये कानून के तहत थाना गाडरवारा में दर्ज हुई भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रथम एफ.आई.आर. को लेकर थाना प्रभारी उमेश तिवारी द्वारा जानकारी देते हुये बताया कि प्रार्थी टीकाराम पिता कैलाश साहू उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम कठौतिया द्वारा प्रथम सूचना पत्र दर्ज कराई गई कि वह उसकी ग्राम कठौतिया में दुकान है जो उसने आनंदी साहू को किराये पर दी गई है। मगर किराये के पैसे माँगने जब वह दुकान पर गया तो आनंदी साहू,उसका लड़का पवन और आकाश ने उसके साथ एक राय होकर गंदी-गंदी गालियाँ देकर मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी है । इस तरह नये कानून के तहत दर्ज की गई पहली रिर्पोट के चलते गाडरवार पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर तीनों आरोपीगण के विरूद्ध अपराध क्रमांक 721/2024 धारा 296,115,351(2),3(5) भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। वही शिकायत कर्ता को पुलिस अधिकारियों द्वारा बडे ही सम्मान के साथ एफ आई आर की काफी प्रदान की गई।

सीतारेवा नदी के किनार हर वर्ष किसानों को निगल रही नदी

हरिभूमि न्यूज/चीचली।

इस समय देखा जावे तो जहां क्षेत्र के किसान प्रकृति की मार से लगातार जूझते हुये अपनी जिन्दगी की गाडी को खीचते चले जा रहे है। मगर चीचली क्षेत्र के अनेक गांवों के किसानों की जमीन सीतारेवा नदी के किनारे होने के कारण जहां नदी में बाढ़ आने की स्थिति में उनकी फसल असुरक्षित हो रही है तो दूसरी ओर लगातार उनकी जमीन नदी में समाहित होने से गायब होती चली जा रही है। यदि बीते हुये पांच वर्षो की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस नदी के किनारे लगे हुये अनेक किसानों की कई एकड़ जमीन पानी के बहाव में समाते हुये गायब हो चुकी है। मगर आज तक शासन प्रशासन में बैठे हुये जिम्मेदारों द्वारा इस किसानों की राहत पहुंचाने की ओर कोई कदम नही उठाया गया है। इस तरह हर वर्ष किसानों के रकवे में लग रही सेंध को लेकर क्षेत्र के किसानों का कहना है कि नदी में बाढ का पानी आते ही उनकी जमीन की मिट्टी नदी के पानी में बह जाने के कारण खेत रेत में तब्दील हो चुका होता है। यदि राजस्व विभाग इस सच्चाई का पता लगाने के लिये खुद के माध्यम से नदी किनारे खेती करने वाले इन किसानों की जमीन की नाप कराते हुये रकवे की जांच कराये तो सैकड़ो एकड़ जमीन मौके से गायब मिलेगी मात्र कागजों में ही किसानों का रकवा दिखाई दे रहा है? मगर इसके बाद चौकाने वाली सच्चाई तो उस समय देखने मिलती है कि इन किसानों के नाम पर दर्ज भूमि नदी में समाहित होने के बाद यदि यह किसान उसी जमीन से रेत उठाने का प्रयास करते है तो प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ता है। इस तरह खुलेआम प्रशासन व प्रकृति मिलकर इन किसानों की जमीन का बगैर किसी आर्थिक मदद के अधिग्रहण करते हुये चला जा रहा है। इस तरह सीतारेवा नदी में समाहित हो रही किसानों की भूमि को लेकर क्षेत्र के किसानों द्वारा शासन प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार लगाते हुये यह आवाज उठाई जा रही है कि जिन किसानों की जमीन नदी में तब्दील हुई है उस जगह से रेत विक्रय करने का उन्ही किसानों को अधिकार मिलना चाहिये।

राष्ट्रीय राज्य मार्ग किनारे लगी डीपी में नीचे तक लटक रही विद्युत वायर, किसी दिन घटित हो सकती है कोई बड़ी घटना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है जिसमें आम लोगों जिन्दगी सहित अन्य क्षति होने के बाद शासन प्रशासन की आंखे खुलते हुये पीड़ति मदद के लिये भरोसा दिलाने की बात कहने से नही चूका जाता है। मगर समय रहते उस घटना को टालने की ओर न अधिकारियों द्वारा ध्यान दिया जाता है और न ही क्षेत्र के उन नेताओं द्वारा जो घटनाएं घटित होने के बाद मंचों के माध्यम से दुख प्रकट करने का नाटक करते हुये पीडित के प्रति हम दर्दी जताने से नही चूकते है? यदि समय रहते हुये रहते इस प्रकार की सच्चाईयों पर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित घटनाएं ही घटित होने से रोकी जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय समीपस्थ ग्राम कामती के उस प्रमुख स्थल पर देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये विद्युत ट्रासफार्मर में करेन्ट दौड़ते हुयें तार जमीन तक लटके हुये देखे जा रहा है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह विद्युत ट्रांसफार्मर राष्ट्रीय स्तर के माने जाने वाले गाडरवारा पिपरिया मार्ग के ठीक समीप गांव में लगा हुआ है, इतना ही नही यही पर अनेक दुकाने लगी होने के कारण छोटे बच्चों से लेकर बडे बूढों का भी इसी ट्रांसफार्मर के पास से निकलना होता रहता है। वही दूसरी ओर यहां पर दिन भर मूक पशुओं को भी घूमते हुये देखा जाता है, जिसके चलते इस प्रकार से बिजली दौड़ते हुये खुली स्थिति में लटकते हुये इन तारों को देखते हुये इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने से रोका जा सके? जबकि इस प्रकार से मुख्य मार्ग के किनारे लगे हुये इस ट्रांसफार्मर की सच्चाई को बिजली विभाग के छोटे से लेकर बडे अधिकारियों को अनेकों बार इसे देखते हुये इस मार्ग से निकलना होता रहता है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के जिम्मेदार नेता भी दिन में अनेकोंबार इस सच्चाई को देखते हुये आसानी से निकल जाते है। मगर इसमें सुधार के प्रति शायद आज तक किसी के द्वारा आवाज उठाई गई ।

खबर संक्षेप

शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में दीक्षारंभ समारोह में गतिविधियों का आयोजन किया

हभिमि न्यूज अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन 1 जुलाई से किया गया। इस तीन दिवसीय चले दीक्षारंभ समारोह में विभिन्न सत्रों के दौरान शैक्षणिक अभिविन्यास, शारीरिक क्रियाकलाप, सांस्कृसतिक और समाजिक गतिविधियां, साहित्यिक एवं पाठ्येत्तर क्रियाकलाप जैसे विषयों पर नवप्रवेशित विद्यार्थियों से चर्चा की गई। और उनका मार्गदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का समापन समारोह 3 जूलाई को सम्पन्न किया गया। उक्त कार्यक्रम में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य संदीप सिंह एवं समापन समारोह के दिन विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देवप्रकाश उइके के द्वारा प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में प्रवेश उत्सव समिति के नोडल प्रभारी हरिशंकर गुप्ता एवं सहायक नोडल डॉ. सौरभ सामंत, सुश्री हुस्न आरा अंसारी, डॉ. प्रियंका दाहिया, दीपचंद गुप्ता, जयदीप दुबे, डॉ. पवन कुमार वर्मा एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

एक पेड़ माँ के नाम योजना के तहत हुआ पौधारोपण

हभिमि न्यूज शहपुरा। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में बृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इसी योजना के तहत आज दिनांक 3.07.2024 को परिक्षेत्र शहपुरा अंतर्गत मोहनी ग्राम के कक्ष क्र आरएफ66 में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान अंतर्गत शहपुरा के जनप्रतिनिधि मनोहर सोनी जिला उपाध्यक्ष, घनश्याम कछवाहा मंडल अध्यक्ष शहपुरा, जितेन्द्र चंदेल जनपद उपाध्यक्ष शहपुरा, मंडल उपाध्यक्ष हरीश जित्तू राय ,सुरेन्द्र साहू मंडल महामन्त्री शहपुरा, विष्णु अवधिया, हीरालाल साहू,स्थानीय सरपंच, समिति सदस्यों द्वारा 100 पौधों का पौधारोपण किया गया इसमें हर्रा ,बहेरा ,महुआ ,आँवला , तिनसा, सागौन ,आदि अन्य पौधों का रोपण किया गया कार्यक्रम के दौरान उपवनमंडल अधिकारी महोदय शहपुरा सुरेन्द्र सिंह जाटव एवम जगदीश वास्पे वन परिक्षेत्र अधिकारी शहपुरा व पूरा स्टॉफ उपस्थित रहा।

गुणवत्ताहीन निर्माण के चलते पहली बरसात में ही खुली पोल

सरपंच संघ जिलाध्यक्ष का चेकडैम पहली बारिश में ध्वस्त..?

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। अमरपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कमको मोहनिया के सरपंच फूल सिंह मरकाम जो सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष हैं, इन दिनों जनता के विकास के नाम पर भ्रष्टाचार करते हुए अपना विकास करने में जुटे हुए हैं। सरपंच संघ का अध्यक्ष होने का रसूख दिखा अधिकारियों से मनमाफिक कार्य कराते हुए मोटी कमाई में जुटे हुए हैं।

ग्राम पंचायत कमको मोहनिया के सरपंच फूल सिंह द्वारा कम लागत में गुणवत्ताहीन कार्य कराए जाने के अनेको मामला उजागर होने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं जिससे रसूखदार सरपंच का हौसला बढ़ा है। वित्तीय वर्ष 2023- 24 में ग्राम पंचायत द्वारा कमको मोहनिया के हाथी नाला में मनरेगा अंतर्गत 10 लाख रुपये की लागत से कराये गए चैकडेम निर्माण में तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता को दरकिनार कर कार्य कराया गया है,जिससे पहली ही बारिश चैकडेम के बीयर में बड़ा सा छेद हो गया है, जिससे मिट्टी निकल रही हैं, सूत्रों की माने तो निर्माण के दौरान मापदंड के विरूद्ध बियर में मिट्टी और बोल्डर भरा गया है, जिसके चलते पहली ही बारिश में सरपंच संघ जिला अध्यक्ष फूल सिंह मरकाम का चैकडेम ध्वस्त हो गया है।

इनका कहना है.
चैकडेम का निरीक्षण गर्मी में किया था, ध्वस्त होने की जानकारी नहीं है, कल मामले की जाँच कराया जाएगा।
-लोकेश नागनोरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अमरपुर

परकुलेशन टैंक में गड़बड़झाला, लगे आरोप

-जिम्मेदार अधिकारियों ने नहीं की अभी तक कोई कार्यवाही, ग्रामीणों को जांच का है इंतजार
-मामला ग्राम पंचायत बरखेड़ा गांव का

फॉलो अप

पंचायत ने किसान के खेत में बनवा दिए परकुलेशन टैंक

यह निर्माण कार्य अनुपयोगी पड़े-पड़े बर्बादी की कगार पर हैं। मनरेगा के कार्य मशीनों से कराके फर्जी मस्टर भरे जा रहे हैं शिकायतों को अनदेखा करके जिम्मेदार मौन बने हैं इसे लेकर लोगों में नाराजगी है और कुछ मामलों में अधिकारी दिखावे के लिए कार्रवाई करके अपनी कमी छिपाने में जुटे हैं।
ऐसा ही मामला शहपुरा जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरखेड़ा का सामने आया है जहां परकुलेशन टैंक का निर्माण कार्य में भारी अनमितताएं की गई है किसान के निजी भूमि में पर्कुलेशन टैंक का निर्माण करवा दिया गया किसान ने राजस्व विभाग में आवेदन देकर रोक लगवा दिया इसके बावजूद चोरी चोरी सचिव सरपंच निजी स्वार्थ सिद्ध करने के चक्कर में काम करवा रहे है साथ ही साथ निर्माण कार्यों में भी नाबालिकों से भी काम करवाने के आरोप लग रहे हैं।ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि पर्कुलेशन टैंक में काली मिट्टी की जगह पत्थर और मुर्म से बांध को बनाया गया और नाम मात्र की काली मिट्टी दिखावे के लिए प्रयोग किया गया है ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी यदि जांच टीम गठित कर पर्कुलेशन टैंक की जांच कराई जाए तो एक बड़ा खुलासा सामने आ सकता है।

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। लगातार समाचार पत्रों के माध्यम से खबर प्रकाशित होने के बावजूद अभी तक ग्राम पंचायत बरखेड़ा में परकुलेसन टैंक का निर्माण कार्य किया गया था उस पर ग्रामीणों ने गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य होने की शिकायत भी की थी और साथ ही साथ एक किसान ने भी जनपद में आवेदन प्रस्तुत किया था कि उसके निजी भूमि पर परकुलेसन टैंक बना दिया गया लेकिन आज दिनांक तक यह मामला ठंडे बस्ते में दबा हुआ है।

-यह था पूरा मामला

जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों में मनमाने तरीके से अनियमित्तायें और अनुपयोगी कार्य कराके जहां सरकारी बजट को चूना लगाया जा रहा है। वहीं पंचायत प्रतिनिधि हर कार्य में कमाई के चक्कर में कायदे-कानून ताक पर रखकर उनके पालन से बेपरवाह हैं उन्हें न जांच की चिंता है न अधिकारियों का डर है। ग्राम पंचायतों में सरंपच, सचिव और ग्राम रोजगार सहायक की तिकड़ी का बेलगाम राज चल रहा है ।पहले भी ऐसे तमाम काम कराए गए जिनमें कमाई का रास्ता नजर आया। यहां तक कि कई अनुपयोगी काम भी करा दिए गए हैं ऐसे तमाम निर्माण कार्य कराके जिम्मेदारों ने अपना-अपना हिस्सा तो ले लिया पर यह निर्माण कार्य अनुपयोगी पड़े-पड़े बर्बादी की कगार पर हैं। मनरेगा के कार्य मशीनों से कराके फर्जी मस्टर भरे जा रहे हैं शिकायतों को अनदेखा करके जिम्मेदार मौन बने हैं इसे लेकर लोगों में नाराजगी है और कुछ मामलों में अधिकारी दिखावे के लिए कार्रवाई करके अपनी कमी छिपाने में जुटे हैं।
मामला शहपुरा जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत बरखेड़ा का सामने आया है जहां परकुलेशन टैंक का निर्माण कार्य में भारी अनमितताएं की गई है किसान के निजी भूमि में पर्कुलेशन टैंक का निर्माण करवा दिया गया किसान ने राजस्व विभाग में आवेदन देकर रोक लगवा दिया इसके बावजूद चोरी चोरी सचिव सरपंच निजी स्वार्थ सिद्ध करने के चक्कर में काम करवा रहे है साथ ही साथ

-अधिकारियों की मिलीभगत से हुआ निर्माण कार्य

जनपद पंचायत शहपुरा के अधिकारियों और उपयंत्री की मिलीभगत से निर्माण कार्यों में काफी भ्रष्टाचार हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इस परकुलेशन टैंक निर्माण कार्य के लिए जांच टीम गठित कर दी जाए तो बहुत बड़ा खुलासा सभी के समक्ष सामने आ जाएगा। लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हुए हैं।

वाहन दुर्घटना के दौरान भीड़ द्वारा पीटने से मौत का आरोप, पीड़ित ने एसपी से की शिकायत

हभिमि न्यूज डिंडौरी। 25 जून की देर रात गाड़ासरई थाना मार्ग में बोलेरो और स्विफ्ट कार की आमने सामने से भिड़ंत होने पर स्विफ्ट सवार एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई थी, इस दौरान आक्रोशित भीड़ के द्वारा बोलेरो सवार व्यक्तियों से जमकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पीड़ति ने मामले की उच्च स्तरीय जांच कर मारपीट करने वालो की पहचान कर कार्रवाई की मांग की हैं। शिकायतकर्ता गोंविद सिहं पिता स्व० छतरू सिंहं निवासी ग्राम तांतर थाना बजाग ने एसपी से शिकायत करते हुए पत्र में उल्लेख किया है कि 25 जून को मेरे पुत्र निलेश कुमार और वाहन चालक फिरोज खान, चेतराम, सुखदेव, देवसिहं, संतकुमार जो कि शहडोल से अपने गाँव अपने चार पहिया वाहन से तांतर आ रहे थे, इसी दौरान रात्रि करीब 12.10 बजे आशीष राय नामक व्यक्ति जो कि अपना जन्मदिन मनाकर चार पहिया वाहन जिसका वाहन क्रमांक एम पी 52-सीए 0457 से सुकुलपुरा की ओर जा रहा था, जो कि आपस में दोनों वाहन टकरा गये, जिससे अशीष राय की मौके पर ही मौत हो गई ।घटना स्थल पर गुस्साये उसके जन्मदिन में शामिल हुये मित्रों के द्वारा मेरे पुत्र निलेश कुमार और उसके साथीयों के साथ लाठी, डण्डा एवं राड से मारपीट किया गया और उनके उपर पेशाब भी किया गया, मारपीट के कारण उनकी स्थिति खराब हो गया था।घायल व्यक्तियो को लेने के लिये एम्बूलेंस आया और उन्हे जिला चिकित्सालय में भर्ती किया गया, जहाँ पर मेरे पुत्र निलेश कुमार की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई और उसका एक साथी फिरोज खान जो कि जबलपुर में भर्ती है और बाकी के लोग अभी भी घायल हैं। घटना स्थल पर मेरे पुत्र के साथ मारपीट की गई है, जिसका वीडियो वायरल है, जिस संबंध में हमारे द्वारा पुलिस थाना गाडासरई में रिपोर्ट दर्ज कराने गये परन्तु पुलिस थाना गाड़ासरई द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा है और हमारी रिपोर्ट भी नही लिखी जा रही है। पीड़तिों ने निष्पक्ष जांच कर अशीष राय के जन्मदिन में शामिल हुए जिन लोगों ने मारपीट की है, उनके विरूद्ध एफ आई आर दर्ज कराये जाने की माँग की है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की शुरुआत

हभिमि न्यूज डिंडौरी। महिला केंद्रित मुद्दों पर जागरूकता और पहुंच बढ़ाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने मिशन शक्ति के तहत संकल्प हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में संचालित तृतीय सप्ताह की गतिविधि हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग जिला कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंगौर के मार्गदर्शन दिनांक 02.07.2024 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडोरी एवं दिनांक 03.07.2024 को सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डिंडोरी में वन स्टॉप सेन्टर प्रशासक श्रीमती नीतू तिलगाम एवं केस वर्कर श्रीमती रितु खांडे द्वारा विद्यालय के बच्चों को तीन नए कानून, महिलाओं के अधिकारों को संरक्षित करने वाले कानून समानता और सशक्तिकरण, वन स्टॉप सेन्टर (सखी), महिला हेल्पलाइन(181), चाइल्ड लाइन (1098) के बारे ने विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेन्टर की विधिक सलाहकार श्रीमती स्मिता चैरसिया एवं केस वर्कर श्रीमती रागिनी धुर्वे एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।

ग्राम पंचायत अलोनी में कलेक्टर द्वारा किया गया निर्माणाधीन कार्यों का अवलोकन

हभिमि न्यूज अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत अलोनी में बुधवार को जिला कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जनमन योजना अंतर्गत पीएम आवास के हितग्राहियों से चर्चा कर पूर्ण आवास एवं प्रगतिरत कार्यों एवं ग्राम पंचायत द्वारा बनाएं गए मुर्गी सेड, बकरी सेड, पशु सेड एवं कराएं गए वृक्षारोपण कार्यों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर के साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश नारनौरे, नायब तहसीलदार अमरपुर आरपी मार्को, सहायक यंत्री के पी दुबे, उपयंत्री अमित नानोटे, राहुल तेकाम, अमित गांगुली, पुष्पराज मरावी पटवारी, स्वच्छ भारत मिशन के समन्वयक वरकड़े, प्रधानमंत्री आवास के समन्वयक दीपचंद सैयाम, पीएचई विभाग के उपयंत्री श्रीकांत गुप्ता, आजीविका मिशन ब्लॉक समन्वयक राजेश पांडे, ग्राम पंचायत सरपंच गजेंद्र ठाकुर, सचिव माखन सिंह धुर्वे, मोबिलाइजर राहुल सिंह धुर्वे, ग्राम पंचायत के मेट राकेश मरावी, ग्राम के महिला, पुरुष सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी भी मौजूद रहे। इस अवसर पर वृक्षारोपण कराएं जाने एवं बिजली पोल तथा पानी के लिए हैंड पंप खनन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

तहसील भवन पहुंच मार्ग दलदल में तब्दील, जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में वर्षों से नायब तहसीलदार की पद स्थापना तो कर दी गई थी। परंतु कार्यालय भवन न होने से किसानों को जिला मुख्यालय डिंडौरी में ही संचालित न्यायालय नायब तहसीलदार जाना पड़ता था। परंतु शासन द्वारा भवन निर्माण को करा दिया गया और न्यायालय का संचालन अमरपुर में ही होना शुरू हो गया हैं। मगर उप तहसील कार्यालय तक पहुंचाने के लिए मुख्य मार्ग से सड़क निर्माण न होने से इस बारिश के मौसम में भारी कीचड़ से पार कर क्षेत्र की आमजनता कार्यालय तक पहुंच पाते हैं। जिसमें उम्रदराज व्यक्ति एवं महिलाओं को पहुंचने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा हैं। जबकि ब्लॉक का यह सबसे महत्वपूर्ण कार्यालय उप तहसील कार्यालय को ही माना जाता हैं। जहां पर प्रतिदिन सैकड़ो की संख्या में जरूरतमंद पहुंच रहे हैं। जनापेक्षा हैं कि मुख्य मार्ग से उप तहसील कार्यालय तक सड़क निर्माण किया जाना अति आवश्यक माना जा रहा हैं।

नगर परिषद की लापरवाही से स्ट्रीट लाइट बंद

हभिमि न्यूज शहपुरा। नगर के बटौंधा चैक से पुराना तालाब मढिया तक की सड़क पर नगर परिषद शहपुरा द्वारा स्ट्रीट लाइट तो लगाए हैं लेकिन कई महीनों से यह बंद पड़ी हैं। जिसके चलते शहपुरा नगर के शारदा चैक मोहल्ला पर अंधेरा पसरा रहता है और दुर्घटनाएं हो रही हैं। नगर परिषद द्वारा स्ट्रीट लाइट सुधारने में लापरवाही बरती जा रही है जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। इस मार्ग के पास रहने वाले ने बताया कि 2 महीने से अधिक का समय हो गया है स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। इसे सुधारने में नगर परिषद लापरवाही दिखा रही है। जिसके चलते अंधेरा पसरा रहता है और सड़कों पर बैठे मवेशी के कारण दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। कई बार पार्षद को इस बारे में जानकारी दी लेकिन उन्होंने भी इस ओर ध्यान नहीं दिया। जबकि इस रोड पर वाहनों का आवागमन काफी होता है। अंधेरे के चलते दुर्घटना होना आम बात है। ऐसी स्थिति में स्ट्रीट लाइट बंद रहना लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने जैसा है।

कुक्कुट, भेड़, बकरी व सूकर पालन के लिए मिलेगा ऋण एवं अनुदान

अनूपपुर। पशु पालन एवं डेयरी विभाग की योजना राष्ट्रीय पशुधन मिशन वर्ष 2021 से प्रारंभ है, जिसके अंतर्गत मुख्यतः पशु नस्ल विकास तथा उद्यमिता विकास की गतिविधियों को शामिल कर बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए ग्रामीण कुक्कुट पालन, भेड़ व बकरी पालन, सूकर पालन, साइलेज उत्पादन, फॉडर ब्लॉक तथा टोटल मिक्सड राशन के उत्पादन हेतु ऋण एवं अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। इच्छुक हितग्राहियों/उद्यमियों को बैंको से 50 प्रतिशत का ऋण एवं भारत सरकार द्वारा 50 प्रतिशत का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। अनुदान राशि हितग्राहियों/उद्यमियों को समान 2 किस्तों में प्रदाय की जाती है। पहली किस्त बैंक द्वारा ऋण उपलब्ध कराने पर तथा दूसरी किस्त परियोजना पूर्ण होने पर भारत सरकार द्वारा सीधे ऋणदाता बैंक को उपलब्ध करायी जाती है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक डॉ. ए.पी. पटेल ने बताया है कि योजना का लाभ लेने हेतु हितग्राही को पोर्टल पर आनलाईन आवेदन करना होता है। योजना का लाभ व्यक्तिगत, स्वसहायता समूह, एफपीओ, एफसीओ और जेएलजी ले सकते हैं, जिसके लिए पशु चिकित्सा एवं पशु पालन महाविद्यालय रीवा/जबलपुर से 03 दिवसीय प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने बताया है कि 50 लाख लागत के पोल्ट्री फार्म 1000 पक्षी, हैचरी तथा मदर यूनिट की संयुक्त इकाई हेतु अधिकतम 25 लाख का अनुदान प्रदाय किया जाता है। 01 करोड़ लागत के 500+25 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 50 लाख का अनुदान, 80 लाख लागत के 400+20 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 40 लाख का अनुदान, 60 लाख लागत के 300+15 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 30 लाख का अनुदान, 40 लाख लागत के 200+10 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 20 लाख का अनुदान, 20 लाख लागत के 100+5 बकरी इकाई हेतु अधिकतम 10 लाख का अनुदान प्रदाय किया जाएगा।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, डिण्डौरी
अधिसूचना
डिण्डौरी,दिनांक 13/03/2024

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक इंडियन ऑयल कॉपोर्रेशन लिमिटेड कम्पनी जबलपुर मण्डल प्रोपराईट श्री राजेन्द्र मरावी पिता श्री रामेश्वर सिंह मरावी निवासी वार्ड नं. 12 डिण्डौरी, जिला एवं तहसील डिण्डौरी द्वारा ग्राम भौंका डोगरी सागरटोला चौराहा नर्मदा ब्रिज चंदनघाट एनएच 543 खसरा नं. 102/02/01 एवं 10/02/02 में स्थापित किये जाने वाले न्यू रिटेल आउट लेट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) में स्थित भूमि पर विक्रय भण्डारण हेतु न्यू रिटेल आउट लेट (पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प) स्थापित किए जाने हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाने अनुरोध किया गया है।

अतः पेट्रोलियम नियम 2002 के नियम 144 के अंतर्गत प्रश्नागत भूमि पर पेट्रोल पम्प/डीजल पम्प की स्थापना से यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति होने है तो वह अपनी आपत्ति अधिसूचना प्रकाशित होने के 30 दिवस के अंदर इस कार्यालय में लिखित प्रस्तुत कर सकता है । निर्धारित अवधि समाप्त होने उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
जिला- डिण्डौरी

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, गुरुवार 4 जुलाई 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

निजी ट्रांसफार्मर से लिया जा रहा जबरदस्ती विद्युत कनेक्शन

नरसिंहपुर । गत दिवस पीड़ति द्वारा विधायक गोटेगांव महेन्द्र नागेश व थाना प्रभारी गोटेगांव को लिखित शिकायत देकर अपनी पीड़ा बताई गई । शिकायत मे बताया गया है कि भगत सिंह पिता गोपाल सिंह लोधी निवासी चैधरी पिपरिया तहसील गोटेगांव मे निजी स्वामित्त की भूमि पर शासन की योजनानुसार निजी ट्रांसफार्मर लगवाया गया है । जिसका सर्विस क्रमांक 1291006516 है। भूमि मौजा चैधरी पिपरिया पटवारी हल्का नम्बर 40 नकल ब. 28/5 रा०नि०म० गोटेगाव जिला नरसिंहपुर स्थित खानं० 62/4-65/5 रकवा 5.807 हेक्टेयर भूमि भगत सिंह बल्द गोपाल सिंह लोधी के नाम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। उक्त भूमि पर मैंने निजी ट्रांसफार्मर योजना के अंतर्गत स्वयं के नाम से 25 के.व्ही. का एक निजी ट्रांसफार्मर रखवाया था जिससे जबरदस्ती डिल्ली सिंह पिता गोपाल सिंह लोधी द्वारा विद्युत कनेक्शन लिया जा रहा है। वर्ष 2020-21 में भी इन्हीं लोगों ने वाद विवाद करके ट्रांसफार्मर तुड़वाया था तथा बाद विवाद करो महिलाओं के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है। विद्युत विभाग द्वारा मेरा ऊपर दबाव डालते है कि हम विभाग वाले किसी को भी कनेक्शन दे सकते हैं। चूंकि उक्त भूमि पर मेरा स्वयं का निजी ट्रांसफार्मर लगा हुआ जिससे में आवेदक अपनी निजी डी पी से किसी को कनेक्शन नहीं देना चाहता है। उक्त विद्युत कनेक्शन को लेकर वाद विवाद की स्थिति बनती है और किसी प्रकार की मान हानि या जनतात्ति होती है तो इसके लिए विद्युत विभाग स्वय जमावदार रहेगा। शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई ।

अनियंत्रित होकर पलटी पिकअप

नरसिंहपुर । गोटेगांव की ओर से आ रही पिकअप गोहचर पुलिया के नजदीक राजपूत ढाबा के पास अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें सवार ड्राइवर कंडक्टर सहित अन्य लोग घायल हो गए। उक्त वाहन के पीछे आ रही एंबुलेंस द्वारा वाहन के स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को नरसिंहपुर जिला चिकित्सालय लाया गया बताया जाता है कि पिकअप वाहन किसी शादी समारोह के लिए टेंट का सामान ले जा रहा था पिकअप के पलटने के कारण स्पष्ट नही हो सके है गोटेगांव पुलिस द्वारा जांच की जा रही है ।

बच्चों के साथ पुलिस चौकी प्रभारी ने किया वृक्षारोपण

नरसिंहपुर । गत दिवस थाना क्षेत्र गोटेगांव अतर्गत आने वाली झोतेश्वर पुलिस चैकी प्रभारी रितु उपाध्याय द्वारा अपने स्टाफ एवं स्थानीय बच्चों के साथ विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपे गये। चैकी प्रभारी की उक्त कार्य की प्रशंसा की जा रही है। चैकी परिसर में पौधा रोपण कर पर्यावरण को सुरक्षित करने का संदेश दिया। इस अवसर पर चैकी प्रभारी रितु उपाध्याय ने पौधारोपण कर ने के साथ-साथ लोगों को प्रेरित किया और कहा कि पौधारोपित करने के उपरांत उनकी देखरेख करने के साथ-साथ उनकी देखरेख की गारंटी भी हमें खुद लेनी होगी जिस प्रकार शरीर को पोषण के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पेड़-पौधों की आवश्यकता होती है। पेड़-पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए। पेड़-पौधे लगाने के बाद उनका संरक्षण करना भी बहुत अनिवार्य है।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन अस्पताल का किया निरीक्षण

नरसिंहपुर

बुधवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने करेली में भ्रमण के दौरान नवनिर्मित होने वाले 50 बिस्तरीय अस्पताल का

निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुणवत्तापूर्ण कार्य किए जाने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कार्य करने वाले मजदूर के बच्चों को भी संज्ञान में लाते हुए भवन ठेकेदार से कहा कि इनको नजदीक के स्कूल में आने- जाने की या प्ले स्कूल में भेजने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

स्वास्थ्य व्यवस्था सुनिश्चित करें

करेली के अस्पताल के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से डाइट के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने गंभीर रूप से खून की कमी के लिए क्या उपचार दिया जा रहा है तथा जटिल प्रसव के केस में ड्यू लिस्ट समुचित रूप से बनाई जाने और ड्यू लिस्ट में ना आने वाले लोगों की भी स्वास्थ्य की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अगर जटिल प्रसव चिन्हांकित की गई महिला है, तो प्रत्येक महिला तक हमारी सेवाओं की पहुंच होना चाहिए। आवश्यकता पड़ती है तो उस महिला को संबंधित आशा के माध्यम से चिकित्सा अधिकारियों को माह की 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृ दिवस में लाकर परीक्षण कराया जाए। उसके अलावा अगर आवश्यकता पड़ती है, तो अन्य दिवस भी उसको चिकित्सालय लाकर उसकी जटिलता का परीक्षण एवं उपचार सुनिश्चित किया जाये।

स्टोर रूम का किया निरीक्षण

भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने लैब में होने वाली जांचों की विस्तार से जानकारी ली तथा उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों का भी निरीक्षण किया तथा प्रत्येक दवाइयों के स्टाक की संख्या एवं एक्सपायरी डेट के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने सुपोषण वार्ड में बच्चों को मिलने वाली डाइट के बारे में आहार विशेषज्ञ से जानकारी ली। उन्होंने बच्चों के परिजन व उनकी माताओं से भर्ती के दौरान बच्चों के पोषण के संबंध में क्या सलाह दी जा रही है, के बारे में पूछा। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि बच्चों के परिजनों को इस प्रकार की सलाह दी जाए की जब भी महिला घर जाए तो उसे पोषण को अपने स्थानीय स्तर पर कैसे मेंटेन किया जाए। इसके लिए पर्याप्त रूप से उनका समुचित निर्देश एवं प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे बच्चा भविष्य में कुपोषण का शिकार ना हो पाए। उन्होंने इस दौरान अस्पताल में भर्ती बच्चों के टीकाकरण के संबंध में भी जानकारी ली।

सतत मॉनिटरिंग बढ़ाने पर दिया जोर

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में उपलब्ध अन्य सुविधाओं की भी जानकारी ली। उन्होंने डिलीवरी वार्ड, जनरल वार्ड तथा न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं के सुचारू रूप से संचालन के लिए निर्देशित

किया। उन्होंने फील्ड कार्यक्रमों की सतत मॉनिटरिंग बढ़ाने पर जोर दिया और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाये कि सभी को परिवार नियोजन कार्यक्रम में उचित सलाह दी जाये। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नरसिंहपुर डॉ. राकेश बोहरे, बीएमओ करेली, चिकित्सा अधिकारी करेली एवं अन्य कर्मचारी मौजूद थे।

एकता व अनुशासन के मूल मंत्र के साथ ट्रेनिंग कैम्प प्रारंभ

नरसिंहपुर। गत दिवस एनसीसी जबलपुर ग्रुप हेड क्वाटर के ग्रुप कमांडर बिग्रेडियर ए जी बरबडे के निर्देशन एंव 1मप्र बटालियन एनससीसी के कमान अधिकारी कर्नल विवेक भटारा एवं प्रशासनिक अधिकारी कर्नल समीर बोडस के मार्गदर्शन में 2 से 11 जुलाई तक कमांइड एनुअल ट्रेनिंग केम्प का आयोजन झोतेश्वर गोटेगाँव में किया जा रहा है। इस दस दिवसीय कैम्प में जबपुर ग्रुप हेड क्वाटर के सभी युनिट्स के संबधित महाविद्यालय एंव विद्यालय के सीनियर डिविजन, सीनियर विंग, जूनियर डिविजन एंव जूनियर विंग के कैडेटस भाग ले रहे है। केम्प कमांडेण्ट कर्नल विवेक भटारा ने ओपनिंग एड्रेस में केम्प के दौरान कैडिस को अनुशासन और एकता के मूल मंत्र के साथ प्राप्त होने वाले प्रशिक्षण जैसे ड्रिल मेप रीडिंग युद्ध कला क्षेत्र कला वेपन ट्रेनिंग और एनसीसी सर्टिफिकेट परीक्षाओ की तैयारी एंव फौज में कमीशन प्राप्त करने की बात पर बल दिया। केम्प एडजूटेंट मेजर डॉ पराग नेमा की जानकारी के अनुसार इसे केम्प में थल सेनिक केम्प के चयनित एनसीसी कैडिट्स को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। केम्प में चार कम्पनियो के माध्यम से एनसीसी अधिकारी मेजर कमलेश मेहरा केप्टन अमित यादव लें दिव्या पाराशर चीफ अफिसर याकूफ शेख, थर्ड अफिसर एन पी गुप्ता थर्ड अफिसर अनुराग दुबे, थर्ड अफिसर भोले रजक, थर्ड अफिसर मनोज जैन, और थर्ड अफिसर सरवन कुमार ठाकुर सहित सूबेदार मेजर लेखराज ठाकुर एंव पी आई स्टाफ द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एनसीसी कैडिट्स प्रशिक्षण के साथ-साथ समाज सेवा, पर्यावरण सुरक्षा, सामुदायिक कौशल, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्र भक्ति की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रहें है।

विकसित मध्य प्रदेश का बजट: मिश्रा

नरसिंहपुर। भाजपा जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा द्वारा मध्य प्रदेश विधानसभा में विकसित मध्यप्रदेश का बजट प्रस्तुत किया गया है यह बजट प्रदेश के गरीब, किसान, महिला, बुजुर्ग, श्रमिक एवं युवाओं को समर्पित सर्वस्पर्शी व सर्व समावेशी के साथ ही सभी वर्गों के उत्थान में सहायक सिद्ध होगा एवं प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा। जनाकांक्षाओं को समर्पित लोक-कल्याणकारी ऐतिहासिक बजट के लिए जिलाध्यक्ष इंजी. अभिलाष मिश्रा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव व वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा का सम्पूर्ण संगठन की ओर से अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया है।

लाखों खर्च के बाद भी गौशालाओं की स्थिति बदहाल

नरसिंहपुर। शासन द्वारा गोवंशों के उचित रखरखाव और उनके अवैध परिवहन और व्यापार को लेकर चिंतित नजर आ रही है इसके उलट नरसिंहपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत बहोरीपारकला में लाखों रुपए की लागत से निर्मित मुख्यमंत्री गोकुल धाम गौशाला लम्बे समय से बनकर तैयार है किंतु उसे प्रारंभ नहीं किया गया है जबकि इस क्षेत्र में कई आवारा गौवंश भारी बरसात व मौसम की मार से बदहाल अवस्था में क्षेत्र की सड़कों पर और किसानों के खेत में घूमते नजर आते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि आखिर जब शासन प्रशासन द्वारा लाखों रुपए खर्च कर गौवंशों के लिए उचित व्यवस्थापन की व्वयवस्था को पूरा करने के लिए गौवंशों के लिए कार्य कर रही है तब नरसिंहपुर जनपद की ग्राम पंचायत बहोरीपार कला में निर्मित यह गौशाला आखिर प्रारंभ होने के लिए किसके आदेश का इंतजार कर रही है। गौरतलब बात यह है कि जिले के अनेक क्षेत्रों में गौशालाओं के उचित प्रबंधन को लेकर समय समय पर मांग उठाई जाती रही है। आज ही मोहन सरकार ने प्रदेश के बजट में गौशालाओं के लिए 250 सौ करोड़ रूपये का प्रावधान किया है।

विहिप व बजरंग दल ने राहुल गांधी का फूंका पुतला

नरसिंहपुर

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बुधवार 3 जुलाई को सुभाष पार्क चैक पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया। यह विरोध प्रदर्शन राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदू समाज के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ था। उन्होंने हिंदू समाज पर हिंसा फैलाने का आरोप लगाया था, जो बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद सहित सभी हिंदू संगठनों को अस्वीकार्य लगा सभी संगठनों में काफी रोस व्याप्त है पुतला दहन के उपरांत प्रांत पदाधिकारी ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के द्वारा लगातार हिंदुओं को टारगेट कर हमला किया जा रहा हैं। लोकतंत्र के मंदिर से हिंदुओं को हिंसक कहने वाले राहुल गांधी की मानसिकता हिंदू विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि उनके दादा मुसलमान, मां विदेशी है उन्हें हिंदू संस्कृति का कोई ज्ञान ही नहीं है। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल से जिला अध्यक्ष राव बहादुर सिंह, प्रांत अर्चक पुरोहित मनीष पाठक, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह चैहान, खुमान सिंह पटेल, सुनील जैन, जिला मंत्री रामकुमार लोधी, जिला संयोजक अभिषेक पटवा, जिला सहसंयोजक मुकेश पटेल, कार्तिक नेमा, जिला गोरक्षा प्रमुख धर्मेंद्र साहू, जिला प्रसार प्रचार प्रमुख राधे साहू, मुकेश पटेल, जिला सह प्रचार प्रसार प्रमुख नीरज कतिया, बजरंग जिला सुरक्षा प्रमुख मनोज पटेल, प्रखंड मंत्री वीरेंद्र सोनी, गोपी रजक की उपस्थिति रही।

आदत में आ गया पीड़ित मूक प्राणियों का इलाज

तेंदूखेड़ा- गौ माता की जय गौ हत्या बंद हो जैसे गला फाड़ जय घोष के नारे तो खूब सुनने को मिला करतें हैं लेकिन इन मूक प्राणियों की आवाज और इनकी वेदना देखकर उसे दूर करने वाले शायद कम ही लोग देखने मिलते हैं।नगर में कहीं भी किसी भी समय कुछ ऐसे सेवा भावी युवा भी है जो सूचना मिलते ही इनकी सेवा के लिए समर्पित भाव से संलग्न हो जातें हैं। मुख्य सड़क मार्ग पर भारी बाहनों से टकराकर घायल पशुओं के इलाज का विषय हो या फिर नाले या खाई नुमा गड्ढों में गिरने का विषय हो पालिथीन खाकर या अन्य दूषित सामग्री खाने से बीमार पशुओं की जानकारी लगते ही वसुधा सेवा समीति के मुकुल नामदेव अपने अन्य साथियों के साथ इलाज करने तत्काल तत्पर रहते हैं। इन्हें पशु चिकित्सा केंद्र से स्वीपर रामकुमार का भी सहयोग मिल जाता है।जो डाक्टरों के परामर्श से पीड़ति पशुओं को चिकित्सा सुविधा लाभ पहुंचाते हैं।

डेंगू से बचने मच्छरों से बचाव जरूरी

तेंदूखेड़ा- डेंगू बायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। हमें इससे बचने के लिये अपने घरों के आस पास गंदगी से दूर रहते हुये जलभराव नहीं होने देना चाहिये। यह मच्छर कूलर पानी की टंकी ड्रम और जहां तहां जमा पानी मे अंडे देता है। जो एक सप्ताह के भीतर वयस्क मच्छर बन जाता है। यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो वह संक्रमित हो जाता है। संक्रमण तेजी से बढ़ने के साथ लोगों को गंभीर रूप से बीमार कर देता है। हमारे प्रतिनधि को सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा मे पदस्थ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डा. दामोदर जाटव ने बताया कि पीड़ति व्यक्ति का सिर दर्द के साथ बुखार शरीर के जोड़ो मांसपेशियों मे दर्द आखों मे दर्द उल्टी होना पेट दर्द शरीर पर लाल चट्टे आखें लाल होना मसूड़ों से खून आना जैसी गंभीर बीमारी के लक्षण है।

एसपी ने किया थाने का निरीक्षण

नरसिंहपुर। जिले के ठेमी थाने का निरीक्षण करते हुए पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने थाने का रिकार्ड, रजिस्टर एवं हवालात चैक किया। इसके उपरांत थाना क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वालों साथ ही सार्वजनिक स्थानों पर झुन्ड बनाकर खड़े होने वाले व्यक्तियों से पूछताछ कर चेतावनी दी। उन्होंने होटल, ढाबा, रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड को चैक कियाएवं थाना प्रभारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी को निर्देश दिए कि क्षेत्र के ऐसे स्थानों को चिन्हित करे जिन स्थानों पर नकबजनी संपत्ति संबंधी अपराधों की घटनाएं अधिक होती है तथा उन स्थानों पर निरंतर पुलिस की उपस्थिति सुनिश्चित करे साथ ही थाना प्रभारी स्वयं भी सुबह शाम उक्त चिन्हित स्थानों पर भ्रमण करे। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी निर्देश दिये गये क्षेत्र की चायध्पान की दुकानों, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन की दुकानों पर नजर रखे एवं संदिग्ध व्यक्तियों से उनके पहचान पत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियां लेकर उनके फोटो लेकर पूछताछ करना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही चिन्हित स्थानों पर स्थित दुकानों पर जाकर दुकानदारों को हिदायत दे कि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को अनावश्यक रूप से दुकान पर बैठने न दे साथ ही उन्हें इस बात की हिदायत दी जावे कि बाहरी व्यक्तियों के बारे में आवश्यक रूप से पुलिस को सूचित करें।

प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर स्कूल से ही बेच रहे ड्रेस और निजी प्रकाशनों की पुस्तकें

तेंदूखेड़ा- नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होते ही शासन प्रशासन निजी शैक्षणिक संस्थाओं की मनमानियों पर नकेल कसने की मंशा से काफी सजग बना हुआ है। वहीं नगर की शैक्षणिक संस्थाओं की एक बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके बावजूद भी कुछ शैक्षणिक संस्थायें अपनी मनमानी पर उतारू बनें हुए हैं। और गुपचुप तरीके से स्कूल से ही अविभावकों को निजी प्रकाशनों की पुस्तकें और ड्रेस लेने के लिए मजबूर कर रहे हैं। हमारे प्रतिनिधि को एक अविभावक ने अपना नाम उजागर ना करने की शर्त पर बताया कि स्कूल में बच्चों को ड्रेस सहित पूरी बुकें लेकर आने बोला जा रहा है। फिर जब पालक बाजार में उस स्कूल की ड्रेस और बुक्स लेने जा रहे हैं तो उन्हें नहीं मिलने की स्थिति में संस्था से ही उपलब्ध कराने का बोला जा रहा है। लेकिन यह जानकारी सार्वजनिक नहीं करने के लिए भी दबाव बनाया जा रहा है। प्रशासन को चाहिए की ऐसे स्कूलों की मनमानियों पर तत्काल प्रभाव से औचक निरीक्षण कर दंडात्मक कार्यवाही की जाये। इनकी हर गतिविधियों पर पूरी नजर रखने की जरूरत है। वहीं भारी बाहनों के बीच ग्रामीण क्षेत्रों से गैस किट वाले वाहनों में क्षमता से अधिक भरकर आने वाले वाहनों पर परिवहन विभाग को औचक निरीक्षण करने की जरूरत है। गांव गांव से बच्चों को ढोकर लाने ले जाने का क्रम शुरू हो गया है।साथ ही स्कूल लगने और बंद होने के समय इन भारी बाहनों डम्फरों की धमाचैकड़ी पर रोक लगाने की महती आवश्यकता है।

स्कूलों के सामने मनमाने तरीके से खड़े होते हैं वाहन

अक्सर कर देखने में आ रहा है कि स्कूलों के समय बाहन चालक अपने मनमाने तरीके से मोटरसाइकिल खड़ी करके यहां वहां चलते बनते हैं। जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी हुआ करती है। आम रास्ते से जाते परेशान लोग यदि इनसे बाहन अलग करने के लिए बोलते भी है तो लड़ने झगड़ने तैयार हो जाते हैं।

इनका कहना है

हमारे पास भी इस तरह की शिकायतें आईं हैं तत्काल प्रभाव से शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भेज कर औचक निरीक्षण करवा कर जांच करवाते हैं। निर्धारित मापदंडों का पालन ना करने की स्थिति में उचित दंडात्मक कार्यवाही की जायेगी।

संघमित्रा गौतम
अनुविभागीय अधिकारी राजस्व
तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर